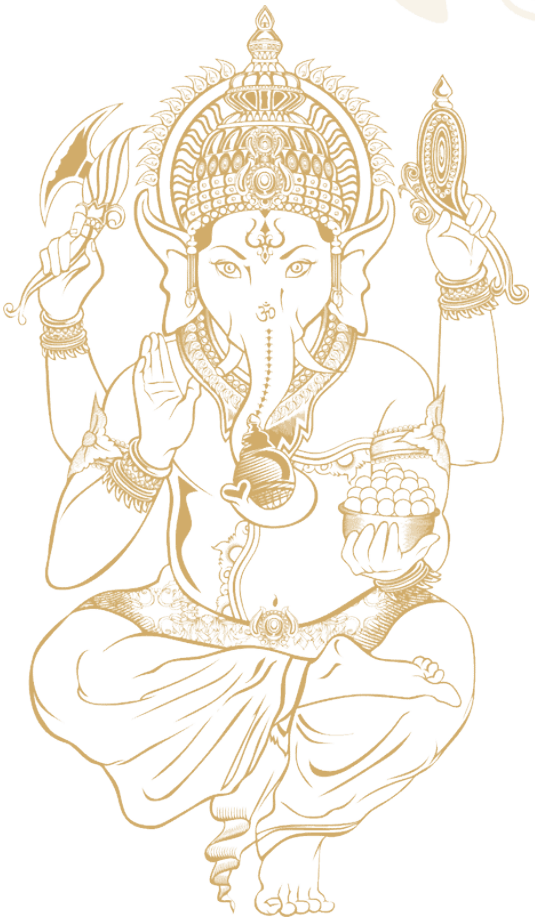

Deepak

Parvati

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120567302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23-24/12/2001	जन्म तिथि	2-03/07/2006
रवि-सोमवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 04:40:00	जन्म समय	05:05:00 घंटे
घटी 53:25:04	जन्म समय(घटी)	59:06:18 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Patiala
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	76:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:24:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:17:58	सूर्योदय	05:26:28
17:29:08	सूर्यास्त	19:30:06
23:52:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:53

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 12वर्ष 4मा 6दि	02:57:10	वृश्चि	लग्न	मिथु	11:13:05	सूर्य 0वर्ष 4मा 1दि
शुक्र	08:19:07	धनु	सूर्य	मिथु	16:59:23	राहु
30/04/2021	20:18:48	मीन	चंद्र	कन्या	09:14:51	04/11/2023
30/04/2041	17:07:09	कुंभ	मंगल	कर्क	23:49:04	03/11/2041
शुक्र 30/08/2024	19:01:40	धनु	बुध	कर्क	07:17:43	राहु 17/07/2026
सूर्य 30/08/2025	17:51:58	मिथु व	गुरु व	तुला	15:02:50	गुरु 09/12/2028
चन्द्र 01/05/2027	03:10:14	धनु	शुक्र	वृष	16:43:03	शनि 16/10/2031
मंगल 30/06/2028	15:59:32	वृष व	शनि	कर्क	16:28:14	बुध 05/05/2034
राहु 01/07/2031	03:15:54	मिथु	राहु	मीन	04:41:16	केतु 23/05/2035
गुरु 01/03/2034	03:15:54	धनु	केतु	कन्या	04:41:16	शुक्र 23/05/2038
शनि 30/04/2037	28:13:25	मक	हर्ष व	कुंभ	20:42:25	सूर्य 17/04/2039
बुध 29/02/2040	13:17:42	मक	नेप व	मक	25:26:09	चन्द्र 16/10/2040
केतु 30/04/2041	21:51:47	वृश्चि	प्लूटो व	धनु	01:03:27	मंगल 03/11/2041

लग्न-चलित

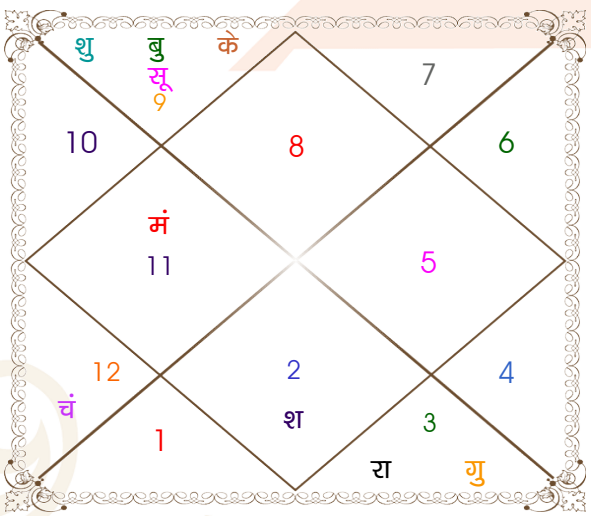

लग्न-चलित

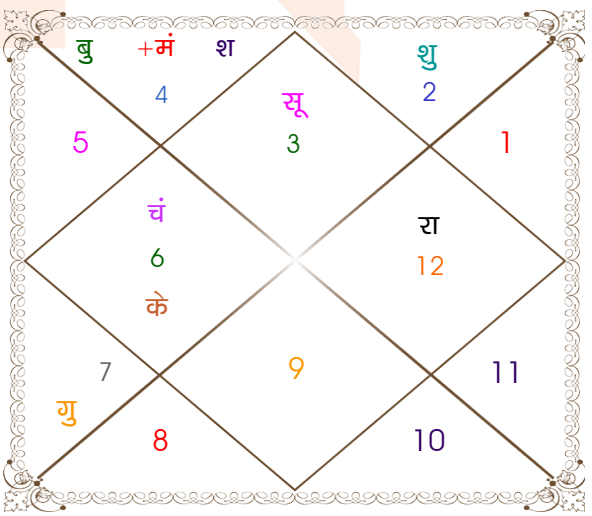

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

क्ममचां का वर्ग सर्प है तथा च्तअंजप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्ममचां और च्तअंजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्ममचां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

च्तअंजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्ममचां तथा च्तअंजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।